

PAPER-III
HINDI

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

(Name) _____

2. (Signature) _____

(Name) _____

Roll No.

| | | | | | | | |
|--|--|--|--|--|--|--|--|
| | | | | | | | |
|--|--|--|--|--|--|--|--|

(In figures as per admission card)

Roll No. _____

(In words)

D 2 0 1 0

Time : 2 1/2 hours]

[Maximum Marks : 200

Number of Pages in this Booklet : 32

Number of Questions in this Booklet : 19

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

No Additional Sheets are to be used.

3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :

(i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.

(ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**

4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।
इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
 - (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
 - (ii) कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे ।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
8. केवल नीले/काले बाल प्वाइंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।
9. किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।

HINDI
हिन्दी

PAPER – III
प्रश्नपत्र – III

नोट : यह प्रश्नपत्र **दो सौ (200)** अंकों का है एवं इसमें **चार (4)** खण्ड हैं । अभ्यर्थियों को इनमें समाहित प्रश्नों के उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है ।

खण्ड – I

इस खण्ड में बीस-बीस अंकों के दो निबन्धात्मक प्रश्न हैं। प्रत्येक का उत्तर लगभग 500 (पाँच सौ) शब्दों में अपेक्षित है।

(2 × 20 = 40 अंक)

1. कबीर की प्रासंगिकता।

अथवा

छायावादी कवियों का सौन्दर्यबोध।

2. समकालीन कथा-साहित्य में स्त्री विमर्श ।

अथवा

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के आलोचनात्मक प्रतिमान ।

खण्ड – II

इस खण्ड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से तीन (3) प्रश्न हैं। अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी के तीनों प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न पन्द्रह (15) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग तीन सौ (300) शब्दों में अपेक्षित है।

(3 × 15 = 45 अंक)

ऐच्छिक इकाई – I (भक्ति काव्य)

3. जायसी की सांस्कृतिक दृष्टि पर प्रकाश डालिए।
4. भ्रमरगीत के उद्धव-गोपी संवाद की विशिष्टता को समझाइए।
5. तुलसी के राम के स्वरूप की चर्चा कीजिए।

ऐच्छिक इकाई – II (छायावाद)

3. स्वच्छंदतावाद और छायावाद के अन्तःसम्बन्धों को स्पष्ट कीजिए।
4. निराला की प्रगतिशील दृष्टि पर विचार कीजिए।
5. पन्त की काव्य-भाषा की विशेषताओं को सोदाहरण समझाइए।

ऐच्छिक इकाई – III (कथा-साहित्य)

3. नई कहानी की संवेदना और शिल्प की चर्चा कीजिए।
4. आधुनिकता के सन्दर्भ में 'बाणभट्ट की आत्मकथा' की समीक्षा कीजिए।
5. 'शेखर : एक जीवनी' उपन्यास के आधार पर शेखर के चारित्रिक वैशिष्ट्य को समझाइए।

ऐच्छिक इकाई – IV (काव्यशास्त्र और आलोचना)

3. रस के स्वरूप पर विचार कीजिए।
4. टी.एस. इलियट की परम्परा सम्बन्धी अवधारणा को समझाइए।
5. संरचनावाद के स्वरूप की चर्चा कीजिए।

खण्ड – III

इस खण्ड में दस-दस (10-10) अंकों के नौ (9) प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग पचास (50) शब्दों में अपेक्षित है ।

(9 × 10 = 90 अंक)

6. नाथ साहित्य की विशेषताएँ बताइए ।

7. केशव के आचार्यत्व पर विचार कीजिए ।

8. खड़ी बोली के विकास में महावीर प्रसाद द्विवेदी के योगदान को समझाइए ।

9. मार्क्सवादी समीक्षा की प्रमुख स्थापनाओं की चर्चा कीजिए ।

10. प्रेमचन्द-पूर्व हिन्दी उपन्यास का संक्षिप्त परिचय दीजिए ।

11. विद्यानिवास मिश्र के निबन्धों के वैशिष्ट्य पर प्रकाश डालिए ।

12. काव्य-हेतु एवं काव्य-प्रयोजन का अन्तर स्पष्ट कीजिए ।

13. लांजाइनस के उदात्त तत्त्व का विवेचन कीजिए ।

14. मोहन राकेश के नाट्य-प्रयोग पर विचार कीजिए ।

खण्ड – IV

इस खण्ड में निम्नलिखित परिच्छेद पर आधारित **पाँच (5)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीस (30)** शब्दों में अपेक्षित है । प्रत्येक प्रश्न **पाँच (5)** अंकों का है । **(5 × 5 = 25 अंक)**

शोभा और सौन्दर्य की भावना के साथ जिनमें मनुष्य-जाति के उस समय के पुराने सहचरों की वंश-परम्परागत स्मृति वासना के रूप में बनी हुई है, जब वह प्रकृति से खुले क्षेत्र में विचरती थी, वे ही पूरे सहृदय भावुक कहे जा सकते हैं । वन्य और ग्रामीण दोनों प्रकार के जीवन प्राचीन हैं; दोनों पेड़-पौधों, पशु-पक्षियों, नदी-नालों और पर्वत-मैदानों के बीच

व्यतीत होते हैं, अतः प्रकृति के अधिक रूपों के साथ सम्बन्ध रखते हैं । हम पेड़-पौधों और पशु-पक्षियों से सम्बन्ध तोड़कर बड़े-बड़े नगरों में आ बसे, पर उनके बिना रहा नहीं जाता । हम उन्हें हर वक्त पास न रखकर एक घेरे में बन्द करते हैं और कभी-कभी मन बहलाने के लिए उनके पास चले जाते हैं । हमारा साथ उनसे भी छोड़ते नहीं बनता । कबूतर हमारे घर के छज्जों के नीचे सुख से सोते हैं, गौरे हमारे घर के भीतर आ बैठते हैं, बिल्ली अपना हिस्सा या तो म्यावाँ-म्यावाँ करते माँगती है या चोरी से ले जाती है, कुत्ते घर की रखवाली करते हैं, और वासुदेव जी कभी-कभी दीवार फोड़कर निकल पड़ते हैं । बरसात के दिनों में जब सुर्खी-चूने की कड़ाई की परवा न कर हरी-हरी घास पुरानी छत पर निकलने लगती है, तब हमें उसके प्रेम का अनुभव होता है । वह मानो हमें ढूँढ़ती हुई आती है और कहती है कि “तुम हमसे क्यों दूर-दूर भागे फिरते हो ?”

जो केवल अपने विलास या शरीर-सुख की सामग्री ही प्रकृति में ढूँढ़ा करते हैं उनमें उस रागात्मक ‘सत्व’ की कमी है जो व्यक्त सत्ता मात्र के साथ एकता की अनुभूति में लीन करके हृदय के व्यापकत्व का आभास देता है । सम्पूर्ण सत्ताएँ एक ही परमसत्ता और सम्पूर्ण भाव एक ही परम भाव के अन्तर्भूत हैं । अतः बुद्धि की क्रिया से हमारा ज्ञान जिस अद्वैत भूमि पर पहुँचता है उसी भूमि तक हमारा भावात्मक हृदय भी इस सत्व-रस के प्रभाव से पहुँचाता है । इस प्रकार अन्त में जाकर दोनों पक्षों की वृत्तियों का समन्वय हो जाता है । समन्वय के बिना मनुष्यत्व की साधना पूरी नहीं हो सकती ।

15. प्रकृति के खुले क्षेत्र में विचरण से मनुष्य-जाति को क्या लाभ है ?

16. मनुष्य-जाति के प्रकृति से दूर होने के दुष्परिणाम क्या हैं ?

17. रागात्मक 'सत्त्व' की कमी किनमें होती है ?

18. मनुष्यत्व की पूर्णता के लिए किन पक्षों में समन्वय आवश्यक है ?

19. सच्ची सहृदयता की पहचान क्या है ?

Space For Rough Work

| FOR OFFICE USE ONLY | |
|----------------------------|----------------|
| Marks Obtained | |
| Question Number | Marks Obtained |
| 1 | |
| 2 | |
| 3 | |
| 4 | |
| 5 | |
| 6 | |
| 7 | |
| 8 | |
| 9 | |
| 10 | |
| 11 | |
| 12 | |
| 13 | |
| 14 | |
| 15 | |
| 16 | |
| 17 | |
| 18 | |
| 19 | |

Total Marks Obtained (in words)

(in figures)

Signature & Name of the Coordinator

(Evaluation)

Date